#### राजस्व विभाग

#### युद्ध जागीर

### दिनांक 5 जुलाई, 1982

अमांक 937-ज (II) -82|22505. —श्री पहलाद सिंह, पुत्र श्री नैन सिंह, गांव घामडोज, तहसील व जिला गुड़गांबा, की दिनांक 22 श्रक्तूबर, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध प्रस्कार श्रिष्ठित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा. 4 एवं 2(0) (10) तथा 3(10) के श्रिष्ठीन श्रदान की गई शिक्तियों का श्रयोग किरते हुए श्री पहलाद सिंह को मुबलिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की श्रिष्ठसूचना क्रमांक 8380-ज-(II)-68/12262, दिनांक 16 जून, 1966, तथा श्रिष्ठसूचना क्रमांक 5041-श्राप्-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गई थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती विश्वन देवी के नाम खरीफ़, 1982, से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्ती के श्रन्तगंत प्रदान करते हैं।

# दिनांक 9 जुलाई, 🖔 1982

कमांक 990-ज(I)-82/23196.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिरियोणा राज्य में ग्रपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के ग्रनुसार सौंपे गये ग्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री हरदेव सिंह, पुत्र श्री हमीर सिंह, गांव बापोड़ा, तहसील व जिला भिवानीं, को खरीफ़, 1967 में रवी 1970 तमें 100 सपये वार्षिक, खरीफ़, 1970 से खरीफ़ 1979 तक 150 सपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 स्पये वार्षिक की युद्ध जागीर सनद में दी गई ग्रसों के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

## दिनांक 19 जुलाई, 1982 ं

कमांक 1012-ज-(II)-82/24071. पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रिवित्यम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें श्रांज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सोंपे गए अधिकाशों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपान श्री मूल चन्द, 9ुद्ध श्री रामरतन, गांव हुसनपुर, तहसील नह, जिला गुड़गांवा को रबी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक खरीफ़, 1970 से खरीफ़, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वासी युद्ध जम्मीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1013-ज-(II) - 82/24075:—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है ) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री फ्सा राम, पुत्र श्री चिमन लाल, गांव जमालपुर, तहसील व जिला गुड़गांवा को रबी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी। गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान [करते हैं।

क्रमांक 1048 - ज-(I) - 82/24079 - - पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्रिधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है भीर उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) कि धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री गिरधारी लाल, पुत्र श्री हरफूल, गांव बालावास, तहसील बावल, जिला महेन्द्रगढ़ को खरीफ, 1974 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वाधिक क्या रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक कीमत वाली युद्ध जागीर सकद में दी गई शतों के अनुसार सहवे प्रदान करते हैं।

कमांक. 1039-ज-(I)-82/24084 - पूर्वी पंजाब यह पुरस्कार श्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाथा गथा है और उस में श्राज क्ष्म संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरिया गा के राज्यपाल श्री राम चन्दर, पुन्न श्री नन्द लाल, गांव बुधीली, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ को रखी, 1974 से खरीफ, 1979 तक 150 स्पये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 स्पए वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष. प्रदान करते हैं।